सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 237 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 3 अक्टूबर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

ईश्वर ने हमें जन्म दिया है ताकि हम संसार में अच्छे काम करें और बुराई को दूर करें।

-गुरु गोबिंद सिंह

टेस्ट के नंबर वन गेंदबाज बने जसप्रीत... 7 | झारखंड में घुसपैठ बन सकता है... 3 | हम कभी किसी से गठबंधन नहीं... 2

हरियाणा में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन गरमाई सियासत

» कांग्रेस सांसद बोले- संविधान को खत्म करने पर तुली भाजपा-आरएसएस

» कुमारी सैलजा की सोनिया गांधी से मुलाकात ने बढ़ाया सियासी पारा

» आज शाम पांज बजे बंद हो जाएगा चुनाव प्रचार

नूंह में भाजपा पर गरजे राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली से सटे राज्य हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार का आज अंतिम दिन है। 5 अक्टूबर को होने वाले मतदान के लिए प्रदेश में आज शाम पांच बजे से चुनाव प्रचार थम जाएगा। ऐसे में प्रचार के अंतिम दिन सभी राजनीतिक दलों द्वारा अपनी पूरी ताकत झोंकी जा रही है। नेताओं द्वारा आज रैली में अपना-अपना अंतिम दांव भी चला जा रहा है। इस बीच चुनाव प्रचार के अंतिम दिन एक ओर जहां कांग्रेस सांसद राहुल गांधी नूंह पहुंचे और उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा।

वहीं दूसरी ओर पार्टी में नाराजगी की खबरों के बीच कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस की पूर्व अध्यक्षा सोनिया गांधी से मिलने दिल्ली पहुंचीं। कुमारी सैलजा की सोनिया गांधी से हुई मुलाकात ने हरियाणा की सियासत को और भी गरमा दिया। हालांकि, दोनों नेताओं में क्या बात हुई, ये सामने नहीं आई है। वहीं सैलजा की मुलाकात से हुड्डा खेमे में भी हलचल देखने को मिली। क्योंकि कुमारी सैलजा को हरियाणा के सीएम पद का उम्मीदवार माना जा रहा है और हुड्डा परिवार के साथ उनके राजनीतिक तनाव की भी चर्चाएं बनी रहती हैं। ऐसे में सैलजा का सोनिया से मिलना प्रदेश की सियासत को और भी गर्माता है।

5 अक्टूबर को प्रदेश की सभी 90 सीटों पर होगी वोटिंग

संविधान को बचाने की चल रही लड़ाई

चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी हरियाणा के नूंह पहुंचे। जहां उन्होंने एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। प्रचार अभियान के आखिर दिन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी काफी कूल दिखे। लेकिन बीजेपी और मोदी सरकार पर उन्होंने काफी हमले बोले। चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद ने कहा कि आज एक बार फिर संविधान को बचाने की लड़ाई चल रही है। राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी और आरएसएस देश के संविधान को खत्म करने पर तुली है। हमें इसके साथ डटकर मुकाबला करना है। राहुल गांधी ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए लड़ रही है। संविधान और लोकतंत्र बचेगा तभी गरीबों, किसानों, मजदूरों को अपना हक मिलेगा।

राहुल गांधी ने उठाया रोजगार का मुद्दा

जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि नफरत को नफरत से नहीं काटा जा सकता। नफरत को केवल मोहब्बत से ही काटा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों हमने कन्याकुमारी से कश्मीर तक यात्रा की। जहां-जहां बीजेपी ने नफरत फैलाई वहां-वहां हमने मोहब्बत की दुकान की खोली। राहुल गांधी ने इस दौरान हरियाणा में रोजगार का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि मैं पिछले दिनों अमेरिका गया। वहां मुझे हरियाणा के लोग मिले। मैंने उनसे पूछा- आप हरियाणा छोड़ कर अमेरिका क्यों आए? उस शख्स ने कहा कि मुझे बीजेपी सरकार में हरियाणा में काम नहीं मिला। रोजगार नहीं मिला। इसी के साथ राहुल गांधी ने वादा किया हरियाणा में जब कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी, बेरोजगारों को रोजगार दिया जायेगा।

कुमारी सैलजा ने की सोनिया गांधी से मुलाकात

सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा के दिल्ली में सोनिया गांधी से मुलाकात करने से प्रदेश की सियासत और भी गरमा गई। कुमारी सैलजा ने सोनिया गांधी से दिल्ली में जनपथ पर मुलाकात की। करीब आधे घंटे तक चली मुलाकात में हरियाणा की राजनीति को लेकर चर्चा हुई। इस मुलाकात ने पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा खेमे की बेचैनी बढ़ा दी। क्योंकि कुमारी सैलजा सीएम पद की दावेदार हैं। हालांकि, वह विधानसभा चुनाव लड़ना चाह रही थीं लेकिन हाईकमान ने उनको टिकट नहीं दिया था। अब सोनिया गांधी से मुलाकात को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इससे पहले अगस्त में भी कुमारी सैलजा ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की थी। इसके बाद सैलजा ने कहा था कि हरियाणा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई है।

भारत दौरे पर आए जमैका के प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक

» संसद में जाने से रोका गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत दौरे पर आए जमैका के पीएम एंड्रयू होलनेस की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। सूत्रों के मुताबिक, उन्हें भारत के पार्लियामेंट जाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। सिक्योरिटी एजेंसियों के कंफ्यूजन की वजह से उन्हें संसद के गेट पर रोक दिया गया, जिस वजह से उनके पूरे काफिले को विजय चौक के दो चक्कर काटने पड़े।

इससे पहले 1 अक्टूबर को पीएम नरेंद्र मोदी ने हैदराबाद हाउस में जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस के साथ द्विपक्षीय वार्ता की थी। एंड्रयू होलनेस भारत दौरे पर आने वाले जमैका के पहले

पीएम हैं। उनकी चार दिवसीय यात्रा आज गुरुवार 3 अक्टूबर तक ही जारी रहेगी। उन्होंने 2 अक्टूबर को राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की थी। जमैका के प्रधानमंत्री एंड्रयू होलनेस के भारत दौरे को लेकर भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा से आर्थिक सहयोग बढ़ाने और जमैका और भारत के बीच दीर्घकालिक संबंधों को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

सरकारी संरक्षण के कारण हाथरस कांड में भोले बाबा का नाम नहीं: मायावती

» बसपा सुप्रीमो ने लगाए गंभीर आरोप, प्रदेश की योगी सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने हाथरस में भोले बाबा यानी सूरज पाल सिंह के कार्यक्रम में मची भगदड़ से हुई हत्याओं के मामले में अब गंभीर आरोप लगाए हैं। बसपा सुप्रीमो का कहना है कि राज्य सरकार के संरक्षण की वजह से हाथरस कांड की चार्जशीट में सूरज पाल सिंह उर्फ भोले बाबा का नाम नहीं है। बता दें कि हाथरस कांड के बाद बसपा ने सबसे पहले भोले बाबा की भूमिका की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की थी।

बसपा सुप्रीमो ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि हाथरस में 2 जुलाई को हुए सत्संग भगदड़ कांड में 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे थे। इस घटना की जांच के बाद अदालत में दाखिल चार्जशीट में भोले बाबा का नाम नहीं होना जनविरोधी राजनीति है, जिससे साबित होता है कि ऐसे लोगों को राज्य सरकार का संरक्षण है। उन्होंने इसे अनुचित करार देते हुए आगे लिखा कि मीडिया के अनुसार सिकन्दराराऊ की इस दर्दनाक घटना को लेकर 2300 पन्नों की चार्जशीट में 11 सेवादारों को आरोपी बनाया गया है। लेकिन बाबा सूरजपाल के बारे में सरकार द्वारा पहले की तरह चुप्पी क्या उचित है। ऐसे सरकारी रवैये से आगे ऐसी घटनाओं को रोक पाना क्या संभव होगा। इसे लेकर आमजन चिंतित है।

हम कभी किसी से गठबंधन नहीं करेंगे : पीके

प्रशांत किशोर ने लॉन्च की अपनी राजनीतिक पार्टी जन सुराज, बोले- सालभर के अंदर पता चलेगा हम अर्श पर हैं या फर्श पर

» बिहार की जनता को मिला विकल्प, अब जनता तय करे जन सुराज कैसी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जन सुराज के संयोजक प्रशांत किशोर ने गांधी जयंती के मौके पर अपनी नई पार्टी का ऐलान कर दिया। अब बिहार में एक और पार्टी मैदान में उतर चुकी है। पार्टी लॉन्च करने के बाद प्रशांत किशोर ने अपनी आगे की रणनीति और भविष्य के चुनावों के बारे में बात की। भविष्य में होने वाले चुनाव को देखते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि वह कभी किसी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे।

प्रशांत किशोर ने कहा कि इस साल चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव है। जन सुराज पार्टी चारों सीटों पर लड़ेगी। उन्होंने 2025 के विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि 243 में से 130 सीट भी आई तो इसको मैं अपनी व जन सुराज की हार मानूंगा। पीके

ने कहा कि हमने बहुत मेहनत की है। अपने जीवन का सबकुछ झोंक दिया है। इसके बाद 130 सीट आई तो मेरी हार होगी। उन्होंने कहा कि साल भर के अंदर पूरा देश देखेगा या तो हम अर्श पर या फर्श पर रहेंगे।

जनता मजबूरी व डर में दे रही लालू-नीतीश को वोट

प्रशांत किशोर ने आगे बताया कि क्यों लोग 30 साल से लालू-नीतीश को चुन रहे हैं। पीके ने कहा कि जनता वोट कर रही है लेकिन उनको पसंद नहीं करती है। मजबूरी में, डर में वोट कर रही है। लालू के डर से बीजेपी को वोट करती है और बीजेपी के डर से लालू को वोट करती है। हमने एक विकल्प देने की कोशिश की। अब जनता को तय करना है। जनता की पसंद जन सुराज है। बिहार में शराबबंदी को लेकर पीके ने कहा कि इससे कोई फायदा नहीं है। वे इसको हटाएंगे। उन्होंने कहा कि इससे जो पैसा आएगा उससे नई शिक्षा व्यवस्था खड़ी करेंगे, ताकी युवाओं को बाहर पढ़ने नहीं जाना पड़े। बच्चों के लिए विश्व स्तरीय शिक्षा व्यवस्था बिहार में बनाएंगे। बिहार में शराबबंदी बस नाम की है, होम डिलीवरी हो रही है। 20 हजार करोड़ का नुकसान हो रहा है।

जो सही है, हम वही बोलेंगे

पीके ने कहा कि बिहार में भूमिहीनता खत्म करनी है तो भूमि सुधार करना होगा। उन्होंने कहा कि हम जो सही है वही बोलेंगे, वोट देना है दीजिए नहीं देना है मत दीजिए। अभी लालू और मोदी का कैंडिडेट रहता है। कैंडिडेट खराब भी रहता है तो जनता मजबूरी में चुनती है। मेरी पार्टी में जनता उम्मीदवार चुनेगी। चुनाव जीता विधायक काम नहीं करेगा तो राइट टू रिकॉल की नीति के तहत हटाया जाएगा। जनता ही हटाएगी।

लालू को सिर्फ अपने परिवार से मतलब है

आरजेडी बार-बार प्रशांत किशोर पांडेय बोलती है। पांडेय क्यों बोलती है? क्या सवर्णों का स्कोप बिहार की राजनीति में नहीं है? क्या मुस्लिम समाज का आपको समर्थन मिल रहा इसलिए आरजेडी यह सब बोल रही है? इस पर प्रशांत किशोर ने कहा कि यही आरजेडी का संस्कार है। आरजेडी का उदय पतन सब जात पर ही हुआ है। आरजेडी वाले जात से ज्यादा न समझते हैं न समझ सकते हैं। लालू-तेजस्वी यह नहीं कहते कि जो यादव समाज का सबसे काबिल आदमी है उसको मुख्यमंत्री बना देंगे। इन लोगों को सिर्फ अपने परिवार से मतलब है। आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं लालू के शासनकाल में कितने यादव के बच्चे आईएएस, प्रोफेसर और डॉक्टर बन गए?

विस चुनाव में 10 फीसदी सीटें अल्पसंख्यकों को देंगे : अजित

» बोले- मैं सभी जाति-धर्म को मानने वाला शिव-शाहू फुले का समर्थक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में उप-मुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार की नजर मुस्लिम वोटर्स पर है। उन्होंने महाराष्ट्र के बीड में कहा कि वो सीट बंटवारे में 10 फीसदी सीटें अल्पसंख्यकों को देंगे। पवार ने बीजेपी विधायक नितेश राणे पर निशाना साधते हुए कहा कि मैं सभी जाति धर्म को मानने वाला शिव-शाहू फुले का एक समर्थक हूं। कुछ बेलगाम (नितेश राणे) बयानवीर अलग अलग धर्म, पंथ, समाज के खिलाफ बयान देते हैं, यह सही नहीं है।

मुस्लिमों को लेकर विवादित बयान पर अजित पवार की आपत्ति को लेकर पिछले दिनों जब नितेश राणे से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि दादा (अजित पवार) को क्या करना चाहिए और क्या भूमिका निभानी चाहिए, यह उनकी पार्टी का सवाल है। मैं उनके बारे में बात करने वाला एक छोटा कार्यकर्ता हूं, हमारा पार्टी नेतृत्व इस बारे में बात करेगा, उन्हें समझाएगा। अजित पवार ने कहा कि इस बार होने वाले चुनाव के मद्देनजर मैं हमारे अल्पसंख्यक समाज को कहना चाहता हूं कि महायुति के सीट बंटवारे में एनसीपी को जितनी भी सीटें

फडणवीस ने किया था वोट जिहाद का जिक्र

अजित पवार का बयान ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले ही देवेंद्र फडणवीस ने वोट जिहाद का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि कुछ (मुस्लिम समाज) लोगों को लगता है कि हमारी संख्या भले ही कम हो, लेकिन हम संगठित मतदान करके हिंदुत्व वादियों को पराजित कर सकतें हैं। 2024 लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र के 48 में से 14 सीटों पर वोट जिहाद हुआ और महायुति की हार हुई।

मिलेंगी, उसमें से 10 फीसदी सीट मैं अल्पसंख्यक समाज को दूंगा।

सहवाग ने कांग्रेस प्रत्याशी के लिए मांगे वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा में 5 अक्टूबर को वोटिंग होनी है। उससे पहले आज चुनाव प्रचार का अंतिम दिन है। शाम को 6 बजे चुनाव प्रचार का शोर थम जाएगा। इससे पहले चुनाव प्रचार के अंतिम दिन स्टार प्रचारक भी अपने चहेतों के लिए वोट की अपील करते दिखे। इसी कड़ी में पूर्व किक्रेटर वीरेंद्र सहवाग हरियाणा के तोशाम पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार अनिरुद्ध चौधरी के लिए वोट मांगे।

इस दौरान वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि वे अपना फर्ज निभाने आएं हैं। जब कोई बड़ा भाई कोई काम करता है तो सभी को मिलकर उसकी मदद करनी होती है। वहीं अनिरुद्ध चौधरी ने कहा कि आमतौर पर किक्रेटर चुनाव प्रचार के लिए नहीं जाते, लेकिन वीरेंद्र सहवाग हमेशा आते हैं, मुझे कभी बोलने की जरूरत नहीं पड़ती। वीरू यहां आए उसके लिए मैं इनका आभारी हूं। सहवाग ने कहा कि अनिरुद्ध चौधरी ने जनता से जो वादे किए हैं, वो उन्हें जरूर पूरा करेंगे। क्योंकि उनके पास एडमिनिस्ट्रेशन चलाने का एक्सपीरियंस है।

शिक्षक भर्ती में शामिल दलित-पिछड़े अभ्यर्थियों को मिले न्याय : अनुप्रिया

» केंद्रीय मंत्री ने फिर उठाया 69 हजार शिक्षक भर्ती और जाति जनगणना का मुद्दा

» कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने एक बार फिर से 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण में हुई अनियमितता को दूर करने के साथ ही जातीय जनगणना कराने की मांग उठाई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि शिक्षक भर्ती में शामिल हुए पिछड़े व दलित अभ्यर्थियों को न्याय मिलना चाहिए। वहीं, जातीय जनगणना को लेकर कहा कि उनकी पार्टी इस मुद्दे को बराबर उठाती रही है। हालांकि, उन्होंने अब तक जातीय जनगणना न कराए जाने को लेकर कांग्रेस और सपा को जिम्मेदार ठहराया।

अनुप्रिया राजधानी के चारबाग स्थित रवींद्रालय प्रेक्षागृह में आयोजित पार्टी की मासिक बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। उन्होंने जातीय जनगणना के सवाल पर कहा कि जनगणना की प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। इसलिए उनकी पार्टी की मांग है कि जनगणना की प्रक्रिया

कांग्रेस-सपा का जातीय जनगणना प्रेम नया

केंद्रीय मंत्री ने आगे कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र में कांग्रेस और यूपी में सपा की कई बार सरकार रही है, लेकिन सत्ता में रहते हुए इन दोनों दलों को कभी भी जातीय जनगणना की याद नहीं आई। जातीय जनगणना को लेकर दोनों दलों का नया-नया प्रेम है। बिहार में सरकार ने चाहा तब जातीय जनगणना कराई। वैसे ही सपा को यूपी में कराना चाहिए था।

सभी 10 सीटों पर जीतेगा एनडीए

अनुप्रिया ने कहा कि उपचुनावों में एनडीए सभी 10 सीटों पर जीत हासिल करेगा। अपना दल (एस) का एक-एक कार्यकर्ता एनडीए प्रत्याशी की जीत के लिए काम करेगा। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के परिनिर्वाण दिवस पर अपना दल (एस) जिलास्तरीय कार्यक्रम करेगी।

में जातीय जनगणना की जानी चाहिए। इस संबंध में पार्टी एनडीए की बैठकों में अपना पक्ष रख चुकी है।

देश के पिता नहीं, लाल होते हैं : कंगना रनौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनौत पहले ही अपनी फिल्म इमरजेंसी के कारण विवादों में हैं। अब उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को लेकर कुछ ऐसा कह दिया है जिस पर एक और विवाद छिड़ गया है। कंगना ने 2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि देश के पिता नहीं, लाल होते हैं। इसी पर विवाद पैदा हो गया है। कंगना ने पोस्ट के साथ लाल बहादुर शास्त्री की तस्वीर भी शेयर की।

2 अक्टूबर गांधी-शास्त्री जयंती पर कंगना की ये पोस्ट अब विवाद की नई जड़ बन रही है। इस मौके पर भाजपा सांसद कंगना रनौत ने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए पोस्ट किया। लेकिन पोस्ट में उनके लिखे शब्दों पर अब राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस नेता राज कुमार वर्मा ने एक्ट्रेस और सांसद के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने की बात कह दी।

झारखंड में घुसपैठ बन सकता है मुद्दा

भाजपा पूरे जोर-शोर से उठा रही घुसपैठियों का मामला

- सीएम सोरेन ने अकेले संभाला मोर्चा
- आदिवासियों व धार्मिक मामले पर झामुमो मुखर
- बीजेपी के दिग्गजों ने काटने शुरू किए राज्य के चक्कर
- राज्य में सीमा पार घुसपैठ पर कोर्ट भी सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में चुनाव अगले साल होने हैं। राज्य के मुख्यमंत्री व झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने पूरी तरह से मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने अकेले ही भाजपा को घेरना शुरू कर दिया है। वह जहां भाजपा पर धर्म व बंटवारें की राजनीति का आरोप लगाकर चुनाव आयोग तक शिकायत कर चुक हैं वहीं बीजेपी उन पर राज्य में घुसपैठियों को बसाने का आरोप लगा रही है। आरोपो-प्रत्यारोपों के बीच ऐसा लग रहा है कि चुनावों में भाजपा घुसमैठ को बड़ा मुद्दा बनाना चाह रही है तो वहीं सोरेन आदिवासी व जाति जनगणना जैसे मुद्दों पर कायम रहना चा रहे हैं। इसबीच घुसपैठ का मामला हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। हाईकोर्ट ने संथाल परगना में घुसपैठ पर रिपोर्ट मांग ली है और तथ्यान्वेषी समिति के गठन का आदेश दे दिया है। उधर भाजपा के शीर्ष नेता मोदी, शाह, राजनाथ, शिवराज व असम के सीएम हिमंत ने राज्य के दौरे तेज कर दिए हैं। उधर राज्य में अन्य पार्टियों ने भी चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है।

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में सीमा पार घुसपैठ के आरोप और स्थानीय आबादी पर इसके प्रभाव पर एक रिपोर्ट पेश करने के लिए केंद्रीय और राज्य अधिकारियों की एक तथ्य-खोज समिति के गठन का आदेश दिया। यह निर्देश न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि बांग्लादेश से अवैध अप्रवासी संथाल परगना क्षेत्र में छिद्रित सीमाओं के माध्यम से झारखंड में प्रवेश कर रहे हैं और स्वदेशी आबादी को प्रभावित कर रहे हैं। अदालत ने कहा, इस बात पर विवाद नहीं किया जा सकता कि झारखंड राज्य का गठन 15 नवंबर 2000 को केंद्रीय कानून द्वारा इस तथ्य के आधार पर किया गया था कि झारखंड की अधिकांश आबादी आदिवासी है। हाईकोर्ट के आदेश में कहा गया है, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि आदिवासी आबादी की जनसांख्यिकी में गिरावट की समस्या वर्तमान में झारखंड के जनसंख्या मैट्रिक्स को प्रभावित कर रही है। अदालत ने कहा कि तथ्यान्वेषी समिति के गठन का उद्देश्य घुसपैठ के कारणों को बताना है, क्योंकि यह जमीन पर हो रहा है और इसका आबादी पर क्या प्रभाव पड़ रहा है। पीठ ने अपने 32 पेज के आदेश में कहा, यह उपचारात्मक उपायों की दिशा में पहला कदम है, हम जिस समस्या का सामना कर रहे हैं, उसकी भयावहता को समझने के लिए समिति का उपयोग किया जा सकता है। याचिका में आरोप लगाया गया था कि अवैध अप्रवासी संथाल परगना क्षेत्र बनाने वाले साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, जामताड़ा और दुमका जिलों में बस रहे हैं। दावा किया गया कि वे इन पांच जिलों में मदरसे स्थापित कर रहे हैं और स्थानीय आदिवासी आबादी के अस्तित्व को परेशान कर रहे हैं। केंद्र ने पहले एक हलफनामा दायर किया था, जिसमें पाकुड़ और साहिबगंज में अवैध प्रवासियों की मौजूदगी बताई गई थी। केंद्रीय गृह सचिव और राज्य के मुख्य सचिव के प्रमुख सदस्यों के साथ एक उच्च स्तरीय तथ्य-खोज समिति का प्रस्ताव रखा था।

भाजपा और आजसू में सीट बंटवारे पर बनी सहमति

बीते विधानसभा चुनाव में आत्मविश्वास से लबरेज भाजपा अकेले दम पर मैदान में उतरी थी। हालांकि इसका खामियाजा पार्टी को झामुमो की अगुवाई वाले तत्कालीन यूपीए के हाथों सत्ता गंवाने के रूप में चुकाना पड़ा। आजसू के अलग चुनाव लड़ने के कारण पार्टी की सीटों की संख्या 37 से घट कर 25 रह गई। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा था, भाजपा आजसू और जनता दल (यूनाइटेड) के साथ गठबंधन में झारखंड विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

सीएम सोरेन ने पूर्णिया सांसद को दी सांत्वना

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्णिया में सांसद पप्पू यादव के दिवंगत पिता को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पप्पू यादव से उनके आत्मीय संबंध हैं, इसी वजह से वे इस शोक सभा में शामिल होने से खुद को नहीं रोक पाए। हेमंत सोरेन ने कहा कि यह समय सियासी चर्चाओं का नहीं है, बल्कि हम पप्पू यादव के दुख में उनके साथ खड़े हैं। इस श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ-साथ बिहार सरकार के कई मंत्री और गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह और भू-राजस्व मंत्री डॉ. दिलीप जयसवाल की भी उपस्थिति रही। इस अवसर पर सभी ने पप्पू यादव के पिता को श्रद्धांजलि

दी और परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। श्रद्धांजलि सभा में सांसद पप्पू यादव ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की उपस्थिति उनके परिवार के लिए सम्मान की बात है। पप्पू यादव ने कहा कि हमारे पिता के प्रति हेमंत सोरेन जी की श्रद्धांजलि हमारे परिवार के लिए बहुत मायने रखती है। इस कठिन समय में उनका साथ पाकर हमें संबल मिला है। श्रद्धांजलि सभा के दौरान स्थानीय नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर पप्पू यादव ने अपने पिता के जीवन और उनके योगदानों को याद करते हुए कहा कि वे हमेशा समाज के कमजोर वर्गों के लिए समर्पित थे और उनका आशीर्वाद सदैव उनके साथ रहेगा।

चिराग की लोजपा लड़ेगी चुनाव

झारखंड में लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा रामविलास) विधानसभा चुनाव लड़ेगी। पार्टी के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि गठबंधन या अकेले चुनाव लड़ने को लेकर विचार-विमर्श चल रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में लोजपा (रामविलास) का मजबूत जनाधार है। जब मेरा जन्म हुआ, तब झारखंड एकीकृत बिहार का हिस्सा था। यह मेरे पिता की कर्मभूमि है। पार्टी का राज्य में मजबूत जनाधार है। ऐसे में यह निर्णय लिया गया है कि पार्टी विधानसभा चुनाव लड़ेगी। इसके लिए विचार विमर्श चल रहा है। पासवान के बयान से एक दिन पहले ही असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने कहा था कि भाजपा, आजसू और जदयू के साथ मिलकर झारखंड चुनाव लड़ेगी। सहयोगियों के साथ 99 प्रतिशत सीट पर सहमति बन गई है। बाकी की एक या दो सीट के लिए बातचीत जारी है और इन पर जल्द ही फैसला लिया जाएगा। इस संबंध में औपचारिक घोषणा पितृ पक्ष के बाद की जाएगी। बता दें कि पासवान की लोजपा एनडीए की सहयोगी है। रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री

चिराग पासवान ने कहा, लोजपा (रामविलास) गठबंधन या अकेले चुनाव लड़ने सहित सभी विकल्पों पर चर्चा कर रही है। रविवार को वह धनवाद में एक रैली को संबोधित करने वाला हैं। उन्होंने बताया कि झारखंड में लोजपा (रामविलास) का मजबूत जनाधार था। जब मैं पैदा हुआ, तब झारखंड बिहार का हिस्सा था। यह मेरे पिता की कर्मभूमि रही है। राज्य में पार्टी का मजबूत जनाधार था। ऐसे में यह तय हो गया है कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगी।

जाति-धर्म के नाम पर जनता को भड़का रही भाजपा : सोरेन

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेता जाति-धर्म के नाम पर जनता को भड़का रहे हैं। रांची में एक समारोह के दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि उन्होंने राज्य के लगभग 1.77 लाख किसानों का 400 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ किया है। पहले सरकार ने 50,000 रुपये तक के कृषि ऋण माफ कर दिए थे। अब उसने दो लाख रुपये तक के कृषि ऋण माफ करने का फैसला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव करीब है, इसलिए भाजपा नेता पूरे राज्य में मंडरा रहे हैं। कई चेहरे तो ऐसे हैं, जो पहले नहीं देखे होंगे। वे केवल एक बार दिखाई देंगे और चुनाव के बाद वे गायब हो जाएंगे। भाजपा नेता सांप्रदायिक तनाव फैला रहे हैं और जाति और धर्म के नाम पर लोगों को भड़का रहे हैं। इनसे सावधान रहें। सोरेन ने कहा कि केंद्र सरकार तीन कृषि कानूनों के माध्यम से देश के किसानों को व्यापारियों को बेचने की तैयारी में थी। किसानों ने लगभग एक साल तक कृषि कानूनों का विरोध किया और सरकार को उन्हें रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सोरेन ने कहा कि केंद्र के पास किसानों की आय दोगुनी करने, एमएसपी बढ़ाने और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए पैसा नहीं है, लेकिन अपने पूंजीवादी दोस्तों के ऋण माफ करने के लिए पैसे का कोई संकट नहीं है। सोरेन बोले कि हमारी सरकार ने समाज के हर वर्ग के लिए काम किया है और उनकी रोटी, कपड़ा और मकान जैसी बुनियादी जरूरतों को पूरा किया है। हमने कृषि ऋण, बिजली बकाया माफ कर दिया है और 200 यूनिट तक बिजली की खपत मुफ्त कर दी है। उन्होंने भाजपा पर झामुमो सरकार को दो साल तक परेशान करने का आरोप लगाया। कहा कि जब वे अपने प्रयास में विफल रहे, तो उन्होंने मुझे झूठे आरोपों में सलाखों के पीछे डाल दिया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

संयमित दिनचर्या से रूकेंगे बच्चों में हार्ट अटैक !

“ कम उम्र में ही बच्चों का आजकल हार्ट अटैक का खतरा है, उनमें दिल की बीमारी बढ़ रही है। विशेषज्ञ इसकी बड़ी वजह बिगड़ी लाइफस्टाइल और खानपान को मानते हैं, इसके अलावा किसी न किसी तरह का तनाव भी बच्चों के दिल को जोखिम में डाल रहा है, अगर समय रहते इस पर ध्यान न दिया जाए तो उम्र बढ़ने के साथ रिस्क भी बढ़ता जाता है।

पिछले कुछ दिनों से छोटे बच्चों की हार्ट अटैक होने वाली मौतों की खबरें आना आम बात हो गई है। हालांकि इस तरह की हादसों की खबरें आना सिमित हैं। पर इन खबरों के बीच परिजनों, समाज व चिकित्सकिय समाज में ये चर्चा आम होने लगी है क्या कारण है बच्चों में ये दौरे होने आम बात होगए है। इस पर एक्सपर्ट का कहना है कि आजकल बच्चे बच्चे फिजिकली कोई काम नहीं कर रहे, उन्हें फास्ट फूड कल्चर में पाला जा रहा है, इसके अलावा पढ़ाई का तनाव भी साथ चल रहा है। साथ ही उनका रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम हो रही है। इन घटनाओं के बढ़ने के बाद अब पैरेंट्स को सावधान होने की जरूरत है। कम उम्र में ही बच्चों का आजकल हार्ट अटैक का खतरा है, उनमें दिल की बीमारी बढ़ रही है। विशेषज्ञ इसकी बड़ी वजह बिगड़ी लाइफस्टाइल और खानपान को मानते हैं, इसके अलावा किसी न किसी तरह का तनाव भी बच्चों के दिल को जोखिम में डाल रहा है, अगर समय रहते इस पर ध्यान न दिया जाए तो उम्र बढ़ने के साथ रिस्क भी बढ़ता जाता है। कार्डियोलॉजिस्ट्स के अनुसार जरा सी लापरवाही बच्चे की सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। उनका कहना है कि आजकल बच्चे टहलना और खेलना कम कर रहे हैं, जो हार्ट अटैक की वजह बन रही है, बच्चों को फैटी चीजें ज्यादा पसंद आ रही हैं, घर पर कई मांए भी रोटी बनाने की बजाय दो मिनट में ब्रेकफास्ट तैयार कर रही हैं, जिसकी वजह से हार्ट अटैक का रिस्क बढ़ता जा रहा है।

अगर घर में किसी को हार्ट अटैक की समस्या है तो ज्यादा अलर्ट रहने की जरूरत है. गलत खानपान बच्चों के हार्ट में ब्लॉकेज का खतरा न पैदा करे, इसके लिए लापरवाही से बचें। कम उम्र में शुरू-शुरू में इसे लेकर तो लापरवाही की जाती है लेकिन बाद में यह बड़ी समस्या बन जाती है। बच्चों में हार्ट डिजीज का सबसे बड़े कारणों में मोटापा भी है, बच्चों में मोटापे की वजह से सांस की समस्या, शुगर और अन्य बीमारी हो सकती है, अगर पैरेंट्स सही समय पर गंभीर नहीं हुए तो उसकी दिक्कतें बढ़ सकती हैं। अगर बच्चा दिल की किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित है तो उसका फॉलोअप लेते रहें, समय-समय पर डॉक्टर के पास जाएं और उनकी दवाईयां, सलाह लें, बच्चों की सेहत को लेकर लापरवाही न बरतें। बहुत से पैरेंट्स छोटी छोटी चीजों को इग्नोर कर देते हैं, जो बच्चों के लिए ठीक नहीं है, हमारे समाज में पढ़ाई को लेकर बड़ा तनाव है, घर से बाहर जाकर बच्चे गलत चीजें खाते हैं, कई बार तो कम उम्र में नशे के भी शिकार हो जाते हैं, पढ़ाई को लेकर भी तनाव लेते हैं, जो उनके दिल को खोखला कर देता है और गंभीर खतरे बढ़ा देता है। परिजनों व समाज की जिम्मेदारी है कि वह बच्चों को तनाव न लेने दें, बच्चों के आहार पर ध्यान दें, फास्ट फूड से बचाएं, . नियमित एक्सरसाइज कराएं,. कम उम्र में डायबिटीज है तो मॉनिटरिंग करते रहें, बच्चों की बीपी चेक करें, बच्चा मोटा है तो फैट बर्न करने के लिए वर्कआउट की मदद लें। बच्चों की दिनचर्या को नियमित व संयमित करके हम उन्हें बीमारियों से बचा सकते हैं।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतांत्रिक मूल्यों में वैश्विक हित

सुरेश सेठ

अमेरिका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लिए एक नया संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि वह आने वाले दिनों में भारत को पुष्पित बनाएंगे और पुष्प की पंक्तियों से इसे विकसित करेंगे। उन्होंने पी से प्रगतिशील भारत का उल्लेख किया, जिसका अर्थ है हमारे संविधान की प्रतिबद्धता कि हम देश में प्रजातांत्रिक समाजवाद स्थापित करेंगे। यह वंचितों के लिए आशा की किरण है, लेकिन अभी बहुत काम बाकी है। अमृत महोत्सव मनाने के बाद भी अमीर और गरीब के बीच की खाई और बढ़ गई है। यू से अजेय भारत का संकेत है कि भारत की सेना आत्मनिर्भर और आधुनिक हो गई है। देश की अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। एस से आध्यात्मिक भारत का अर्थ है कि आधुनिकता की रौ की बजाय आध्यात्मिक मूल्यों की स्थापना भारत का लक्ष्य होगा।

अध्यात्म का सही संदेश अगर कोई दे सकता है तो वह भारत है, लेकिन यह संदेश कट्टरता से मुक्त होना चाहिए। एच से मानवता का समर्थन करता भारत और पी से समृद्ध भारत का संकेत, मंदी के अंधड़ में फंसी दुनिया में भारत की तेज विकास दर को बनाए रखने और अपनी मंडियों में निवेश की मांग को कम न होने देने की ओर है। इन सभी पहलुओं के माध्यम से, प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया है कि भारत को प्रगतिशील, अजेय, आध्यात्मिक और समृद्ध बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। भारत ने अपनी आजादी के शतकीय महोत्सव में विकसित भारत की स्थापना का लक्ष्य रखा है, और उसका आदर्श है कि वह आर्थिक महाशक्ति बनेगा। न्यूयॉर्क में प्रधानमंत्री मोदी प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति के प्रतीक 'नमस्ते' को वैश्विक पहचान बनाने का समय आ गया है। उन्होंने भारतीय संस्कृति के सकारात्मक मूल्यों को अमेरिका की सामाजिक व्यवस्था में प्रमुखता देने का संदेश दिया। मोदी ने प्रवासी भारतीयों को देश का ब्रांड एम्बेसडर बताया और कहा कि भारत आज अवसरों की धरती है। भारत में नेतृत्व करने की क्षमता है और वह रुकने या थमने वाला नहीं है।

यह प्रेरणा वास्तव में उत्साहजनक है। मोदी यहां अपने देश में हो रहे सेमीकंडक्टर सेक्टर के तेज विकास की ओर इशारा कर रहे थे, जो भारत के डिजिटल परिवर्तन का हिस्सा है। उन्होंने 'मेड इन इंडिया' के तहत सेमीकंडक्टर चिप्स को विकसित भारत की उड़ान के

रूप में प्रस्तुत किया। हालांकि, इस डिजिटल युग का लाभ देश की गरीब और वंचित आबादी तक पहुंचाना जरूरी है, जो रोजगार और महंगाई की समस्याओं का सामना कर रही है। मोदी का नेतृत्व सशक्त है, लेकिन उन्हें इन वंचित वर्गों की जरूरतों का ध्यान रखना होगा, ताकि वे डिजिटल भारत में शिक्षा और अवसरों से वंचित न रहें। मोदी जी ने प्रवासी भारतीयों के सामने यह दावा किया कि भारत पहला जी-20 देश है जिसने पेरिस जलवायु लक्ष्यों को हासिल किया है, और उनका कार्बन उत्सर्जन दुनिया के मुकाबले कम है। उन्होंने कहा कि भारत हरित क्रांति की राह पर अग्रसर है और पर्यावरण प्रदूषण के संकट का सामना करने के लिए अग्रणी भूमिका निभाएगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ग्लोबल साउथ के देशों के साथ-साथ विकसित पश्चिमी देश भी इस दिशा में कदम बढ़ाएंगे, क्योंकि पर्यावरण प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग सभी के लिए एक गंभीर संकट है। पिछले दिनों मौसम के असाधारण परिवर्तनों ने न केवल भारत को, बल्कि पूरी दुनिया को संकट में डाल दिया है। इसके परिणामस्वरूप कृषि, उत्पादन और निवेश में अनिश्चितता बढ़ गई है, जिससे मांग में कमी आई है। अमेरिका ने इस समस्या से निपटने के लिए अपनी फेडरल दरों में 50 बेसिस प्वाइंट की कमी की है। लेकिन यह ध्यान रखना चाहिए कि वैश्विक स्तर पर हर क्षेत्र इस संकट का सामना कर रहा है, जिससे मंदी और निवेश की अनिश्चितता उत्पादन की गणनाओं को अस्तव्यस्त कर रही है। इसलिए, दुनिया को समावेशी विकास का नया रास्ता अपनाना होगा। भारत, जो अब दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है, अगर बदलाव का नेतृत्व करता है, तो यह सकारात्मक कदम होगा। पश्चिमी और संपन्न देशों को तीसरी दुनिया के देशों की शक्ति का अहसास करना होगा और भारत की नई ताकत को स्वीकार करना पड़ेगा।

यदि सभी मिलकर मौजूदा चुनौतियों पर नियंत्रण करते हुए आगे बढ़ते हैं, तो दुनिया में भुखमरी, महंगाई और बेरोजगारी का संकट समाप्त हो सकता है, जो अब केवल तीसरी दुनिया के देशों में नहीं, बल्कि संपन्न देशों में भी देखा जा रहा है। इसके अलावा, लोकतंत्र ही इस दुनिया में मुक्ति और विकास का सही रास्ता है। अधिनायकवादी महत्वाकांक्षाएं संघर्ष और तनाव पैदा करती हैं, जैसा कि पिछले दो-तीन वर्षों में देखा गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्राइल-हमास संघर्ष के चलते दुनिया में शांति का माहौल नहीं बन रहा है, और यदि यह स्थिति बढ़ती है, तो इसके गंभीर परिणाम होंगे।

भू-संरक्षण कानून को प्रासंगिक बनाने का दबाव

जयसिंह रावत

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा अगले बजट सत्र में सशक्त भू-कानून लाने की घोषणा एक महत्वपूर्ण कदम है। हिमालयी राज्यों में उत्तराखंड अकेला राज्य है, जहां कठोर कानून के अभाव में जमीनों की बेलगाम खरीद-फरोख्त जारी है। हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर गैर-कृषकों द्वारा कृषि भूमि की खरीद-फरोख्त पर रोक के लिये उत्तराखंड में कानून अवश्य बना था लेकिन ऐसा कानून बनाने वाली राज्य की पहली निर्वाचित तिवारी सरकार ने उस कानून में धारा दो जोड़ कर पहला छेद कर डाला था। सन 2017 के बाद किए गए बार-बार के संशोधनों ने वास्तव में भूमि संरक्षण से जुड़े कानून की प्रासंगिकता को कमजोर कर दिया। नया भूमि प्रबंधन कानून बनाने के लिये गठित पूर्व मुख्य सचिव सुभाष कुमार की अध्यक्षता वाली समिति अपनी रिपोर्ट 5 सितम्बर, 2022 को सौंप चुकी थी, लेकिन उस रिपोर्ट को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था।

यह धारणा इसलिये भी पुष्ट हुई कि नारायण दत्त तिवारी सरकार द्वारा काश्तकारों की जमीनें बचाने के लिये 1950 के अधिनियम में संशोधन कर जो कानून बनाया गया था उसमें भी भाजपा की ही त्रिवेन्द्र सिंह रावत सरकार ने 2018 में औद्योगीकरण के नाम पर उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950) (अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश, 2001) की धारा 154, 143 एवं 129 में संशोधन कर इस कानून को लगभग निष्प्रभावी ही बना दिया था। उसके बाद फिर उसी भू-कानून की धारा 143 की उपधारा 'क' और 'ख' को हटाने से तिवारी द्वारा बनाये गये भू-कानून का प्रभाव समाप्त हो गया था। इन धाराओं में प्रावधान था कि अगर उद्योग के लिये हासिल की गयी जमीन का 2 साल के अन्दर उसी प्रयोजन के लिये उपयोग नहीं किया गया तो कलक्टर धारा 167 के तहत उस जमीन को जब्त कर सरकार में निहित कर लेगा।

अब मुख्यमंत्री धामी ने यह कह कर सशक्त भू-कानून की आशा फिर जगा दी कि उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम 1950) (अनुकूलन एवं उपांतरण आदेश, 2001) में 2017 के बाद किये गये संशोधनों के लक्ष्य हासिल नहीं हुए हैं। उस समय राज्य में 125 लाख करोड़ के पूंजी निवेश के इच्छापत्रों पर हस्ताक्षर हुए थे। लेकिन अब मुख्यमंत्री ने स्वीकार कर लिया कि संशोधनों से भूमि कानून में दी गयी शिथिलता के बावजूद औद्योगिक निवेश का मकसद हल नहीं हुआ। दरअसल, इन्हीं संशोधनों के खिलाफ उत्तराखंड में जहां तहां लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। यही नहीं मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि सशक्त भू-कानून के लिये गठित सुभाष कुमार समिति की सिफारिशों की भी समीक्षा की जा रही है और सरकार अगले बजट सत्र में निश्चित रूप से एक सशक्त भू-कानून को पास करा देगी। समिति ने हिमाचल प्रदेश काश्तकारी एवं भूमि सुधार अधिनियम 1972 की धारा 118 से मिलती-जुलती 23 सिफारिशें कर रखी हैं।

उत्तराखंड में औद्योगीकरण के नाम पर सन 2018 से लेकर अब तक प्राइम लैंड लगभग बिक चुकी है। जमीनों की बेतहाशा खरीद-फरोख्त नगरीय क्षेत्रों और उनके आसपास ही हुई है। इसीलिये भूमि कानून में धारा-2 रखी गयी थी। उस धारा के अनुसार कृषि भूमि की खरीद पर अंकुश वाला प्रावधान नगर निकाय क्षेत्रों पर लागू नहीं होता है। जबकि पहले अध्यादेश वर्ष 2003 संख्या 6 में समस्त उत्तरांचल पर यह बंदिश लागू करने का प्रावधान रखा गया था। इस धारा का लाभ भूमि सौदागरों को पहुंचाने के लिये सन 2017 में ही प्रदेश के 13 में से 12 जिलों के 385 गांवों को 45 नगर निकायों में शामिल कर 50,104 हेक्टेयर जमीन को खरीद-फरोख्त की बंदिशों से मुक्त कर दिया गया था। उत्तराखंड अकेला हिमालयी राज्य है, जहां जमीनों का धंधा सर्वाधिक फल फूल रहा है। यहां की व्यावसायिक और आवासीय महत्व की सभी जमीनें भूमिखोरों के चंगुल में चली गयी हैं। यहां तक कि राजनीतिक लोग भी इस धंधे में प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से शामिल हैं। वास्तव में अगर सरकार एक सशक्त भूमि कानून बना रही है तो उसे देर से आया हुआ दुरुस्त फैसला माना जा सकता है, बशर्ते कि जनभावनाओं के अनुकूल और व्यावहारिक कानून बना दे। अगर सरकार उत्तराखंड में उपान्तरित और अनुकूलित जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम-1950 में 2017 के बाद के सभी संशोधन समाप्त कर देती है तो भी पूरा मकसद हल नहीं होता। इसके साथ ही सरकार को अधिनियम की धारा दो पर भी पुनर्विचार करना चाहिए। उत्तराखंड में बहुत तेजी से नगरीकरण हो रहा है और उसी तेजी से सरकारें नगर निकायों का विस्तार और उनकी संख्या बढ़ाती रही हैं। राज्य को उत्तर प्रदेश से विभिन्न भूमि संबंधी कानून विरासत में मिले हैं। इन सभी कानूनों को मिलाकर एक एकीकृत भूमि संहिता बनाई जा सकती है। सरकार का कार्य भूमि प्रबंधन के साथ-साथ भूमि सुधार भी है। इसके लिए भूस्वामित्व के रिकॉर्ड के साथ भूमि के प्रकार की इन्वेंटरी बनाना आवश्यक है।

गांवों में जमीनों की अदला-बदली के कारण भूमि रिकॉर्ड अपडेट नहीं हैं। राजस्व अधिनियम 1901 के अध्याय 5 से 8 लोप हो जाने के कारण सरकार के पास जमीनों का बंदोबस्त करने का कोई कानूनी आधार नहीं है। 1960 के दशक से प्रदेश में जमीनों का बंदोबस्त नहीं हुआ है, जिससे रिकॉर्ड अद्यतन नहीं हो पाए हैं। छोटी और बिखरी जोतें भूमि सुधार की दिशा में सबसे बड़ी अड़चन हैं, लेकिन सरकार चकबंदी भी नहीं कर पा रही है।

शुभ मुहूर्त

इस साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि का प्रारंभ 2 अक्टूबर को देर रात 12:18 बजे से होगा। यह तिथि 4 अक्टूबर को तड़के 02:58 बजे तक मान्य रहेगी। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर इस साल शारदीय नवरात्रि का प्रारंभ 3 अक्टूबर दिन गुरुवार से हो रहा है। नवरात्रि का कलश स्थापना के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजकर 15 मिनट से 7 बजकर 22 मिनट तक है।

ॐ दुर्गायै नमः

इस बार मां का पालकी पर होगा आगमन

हिंदू धर्म में शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व है। नवरात्रि पर्व के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। मान्यता है कि मां दुर्गा की आराधना करने से जीवन में आ रही सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होती है। इस बार मां दुर्गा पालकी में सवार होकर आएंगी, देवी पुराण में पालकी की सवारी को बहुत शुभ माना गया है। मां दुर्गा चरणायुध यानी बड़े पंजे वाले मुर्गे पर सवार होकर लौटेंगी। हालांकि इसका असर देश की स्थितियों पर आंशिक प्रतिकूल हो सकता है। शरद नवरात्रि त्योहार पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र समेत कई क्षेत्रों में बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। बंगाल, बिहार और उड़ीसा के पूर्वी हिस्सों में, दुर्गा पूजा को सेलीब्रेट किया जाता है। इस त्योहार के दौरान भक्त देवी दुर्गा और उनके नौ अवतारों का पूजा-अर्चना करते हैं। दसवें दिन को दशमी के रूप में मनाया जाता है। बता दें कि साल में चार नवरात्रि होती हैं, लेकिन चैत्र नवरात्रि और शरद नवरात्रि सबसे ज्यादा धूमधाम से मनाई जाती है।

शारदीय नवरात्रि का महत्व

सनातन धर्म में शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व है। आश्विन मास में शरद ऋतु का प्रारंभ हो जाता है, इसलिए इसे शारदीय नवरात्रि कहा जाता है। यह पर्व मां दुर्गा के 9 रूपों को समर्पित है। इस दौरान मां दुर्गा की पूजा-अर्चना व व्रत करने से साधक के सभी दुख-संताप दूर होते हैं। साथ ही मां दुर्गा की कृपा से साधक की सभी मनोकामनाएं भी पूर्ण होती हैं। नौ दिनों के दौरान, देवी दुर्गा अपने भक्तों के साथ रहने के लिए पृथ्वी पर आती हैं। कई भक्तजन इस दौरान मांसाहारी भोजन और शराब का सेवन करने से बचते हैं। कुछ भक्त इन नौ दिनों में व्रत भी रखते हैं जिसमें सात्विक भोजन खाया जाता है।

कलश स्थापना विधि

शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन कलश स्थापना के बाद मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। शारदीय नवरात्रि में कलश स्थापना या घट स्थापना का विशेष महत्व माना जाता है। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन या कलश स्थापना के बाद ही मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कलश स्थापना करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। साथ ही मां दुर्गा के आशीर्वाद से धन-धान्य की कोई कमी नहीं होती। कलश स्थापना के दौरान इसमें नारियल भी रखा जाता है। इससे घर के सदस्यों को आरोग्य की प्राप्ति होती है। साथ ही इससे पूजा बिना किसी बाधा के पूरी होती है।

नवरात्रि में क्यों नहीं खाया जाता लहसुन-प्याज

हिंदू धर्म में नवरात्रि ही नहीं बल्कि किसी भी व्रत में लहसुन-प्याज का सेवन वर्जित माना जाता है। शुरुआत से ही लहसुन-प्याज को तामसिक प्रकृति का भोज्य पदार्थ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसके सेवन से अज्ञानता और वासना में बढ़ोतरी होती है। वहीं इसका दूसरा कारण है कि लहसुन-प्याज जमीन के नीचे उगते हैं। इनकी सफाई के दौरान कई सूक्ष्मजीवों की मृत्यु भी होती है। इसलिए भी इन्हें व्रत के दौरान खाना अशुभ माना जाता है। ये अशुद्ध श्रेणी में आते हैं। इसके पीछे पौराणिक कथा है जिसके अनुसार, समुद्र मंथन में अमृत कलश निकला था। जिसे प्राप्त करने के लिए देवताओं और असुरों की बीच युद्ध छिड़ गया था। उस दौरान भगवान विष्णु ने असुरों और देवताओं में अमृत को समान रूप से बांटने के लिए मोहिनी रूप धारण किया था। लेकिन देवताओं की पंक्ति में राहु-केतु ने बैठकर अमृत पान कर लिया। जब भगवान विष्णु को इस बात का पता चला तो उन्होंने सुदर्शन चक्र से राहु-केतु का सिर धड़ से अलग कर दिया। कहा जाता है इससे निकली खून की बूंदें पृथ्वी पर पड़ीं और इन्हीं बूंदों से लहसुन-प्याज की उत्पत्ति हुई। इसलिए किसी भी पूजा पाठ में लहसुन-प्याज का सेवन करने से परहेज किया जाता है।

हंसना मना है

भोलापन तो देखिए, एक आदमी की एक टांग की हड्डी टूट गयी। वो हॉस्पिटल गया तो देखा कि वहां एक आदमी की दोनों टांगें टूटी हुई हैं। तो वो उसको देखकर बोला कि आपकी दो पत्नियां हैं क्या?

प्राइमरी स्कूल में मैडम जी गहरी नींद में सो रही थी तभी कलेक्टर साहब आ गये, मैडम जी पकड़ी गयीं, बहुत देर उठाने के बाद जब मैडम की नींद खुली तो मैडम कलेक्टर को देखते हुए बोली तो बच्चों समझ गए ना, कुंभकर्ण ऐसे सोता था, कलेक्टर साहब बेहोश।

एक आदमी बड़ी मुश्किल से वकील बना, तो उसको जब पहला केस मिला,तो अपराधी बोला- वकील साहब कोशिश करना उम्र कैद हो, फंसी ना हो, वकील- तुम चिंता मत करो, मैं हुं ना, पेशी के बाद कोर्ट से बाहर आते हुए अपराधी- क्या हुआ, वकील- बहुत मुश्किल से उम्र कैद करवाई है, वरना जज तो रिहा कर रहा था।

कहानी — सत्संग की सही शिक्षा

एक संत ने अपने दो शिष्यों को दो डिब्बों में मूंग के दाने दिये और कहा कि ये मूंग हमारी अमानत हैं। ये सड़े गले नहीं इसका विशेष ध्यान रखना। दो वर्ष बाद जब हम वापस आयेंगे तो इन्हें ले लेंगे। संत तो तीर्थयात्रा के लिए चले गये। इधर एक शिष्य ने मूंग के डिब्बे को पूजा के स्थान पर रखा और रोज उसकी पूजा करने लगा। दूसरे शिष्य ने मूंग के दानों को खेत में बो दिया। इस तरह दो साल में उसके पास बहुत मूंग जमा हो गये। दो साल बाद संत वापस आये और पहले शिष्य से अमानत वापस मांगी तो वह अपने घर से डिब्बा उठा लाया और संत को थमाते हुए बोला: गुरूजी ! आपकी अमानत को मैंने अपने प्राणों की तरह संभाला है। इसे पालने में झुलाया, आरती उतारी, पूजा- अर्चना की... संत बोले- अच्छा ! जरा देखूं तो सही कि अन्दर के माल का क्या हाल है? संत ने ढक्कन खोलकर देखा तो मूंग में घुन लगे पड़े थे। आधे मूंग की तो वे चटनी बना गये, बाकी बचे-खुचे भी बेकार हो गये। संत ने शिष्य को मूंग दिखाते हुए कहा- क्यों बेटा! इन्ही घुनों की पूजा अर्चना करते रहे इतने समय तक! शिष्य बेचारा शर्म से सिर झुकाये चुप चाप खड़ा रहा। इतने में संत ने दूसरे शिष्य को बुलवाकर उससे कहा कि अब तुम भी हमारी अमानत लाओ। थोड़ी देर में दूसरा शिष्य मूंग लादकर आया और संत के सामने रखकर हाथ जोड़कर बोला- गुरूजी ! यह रही आपकी अमानत। संत बहुत प्रसन्न हुए और उसे आशीर्वाद देते हुए बोले- बेटा ! तुम्हारी परीक्षा के लिए मैंने यह सब किया था। मैं तुम्हें वर्षों से जो सत्संग सुना रहा हूं, उसको यदि तुम आचरण में नहीं लाओगे, अनुभव में नहीं उतारोगे तो उसका भी हाल इस डिब्बे में पड़े मूंग जैसा हो जायेगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपकी आवश्यकताएं बढ़ेंगी। आर्थिक तंगी हो सकती है। कर्ज से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। शत्रु परेशान करेंगे। हानि नहीं पहुंचा पाएंगे।

वृषभ

आज व्यवसाय ठीक चलेगा, कुछ धनलाभ होगा। विवाद न करें। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। नेत्र पीड़ा की संभावना।

मिथुन

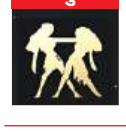

प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है। स्त्री को कष्ट।

कर्क

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। विजय मिलेगी, गर्व न करें। ईमानदारी से कार्य करते रहें। समय पक्ष का है।

सिंह

धनागम के अवसर बनेंगे। आ बैल मुझे मार की स्थिति निर्मित न होने दें। अकारण भय बना रहेगा। व्यापारी सोच-समझकर निर्णय लें।

कन्या

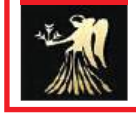

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कार्यक्षेत्र में लाभ के आसार दिखेंगे। दुखद समाचार मिलने की संभावना है।

तुला

आज प्रसन्नता बनी रहेगी। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। कष्टों में निवृत्ति नहीं होगी।

वृश्चिक

व्यवसाय मनोनुकूल लाभ होगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। रोग घेरेंगे। चिंताएं बढ़ेंगी। शत्रु शांत होंगे। कुछ नुकसान होगा।

धनु

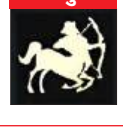

धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अकारण भय व्याप्त होगा। शत्रु शांत होंगे। दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें।

मकर

आज अचानक धनागम के अवसर बढ़ेंगे। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। मातृ पक्ष की सेहत को लेकर परेशानी होगी। परिवार में दुर्घटना की संभावना।

कुम्भ

कार्यसिद्धि होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। शत्रु शांत होंगे। लाभ-हानि बराबर रहेंगे। प्रमाद बढ़ेगा।

मीन

शुभ समाचार की आशा बंधेगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। शत्रु षड्यंत्र रचेंगे। सावधान रहने की आवश्यकता है।

दो सौ करोड़ के क्लब में पहुंची 'देवरा'

जूनियर एनटीआर समेत जान्हवी कपूर और सैफ अली खान जैसे दिग्गजों से सजी फिल्म देवरा ने शुक्रवार को सिनेमाघरों में दस्तक दी। फिल्म ने पहले शानदार प्रदर्शन करते हुए ओपनिंग डे पर अच्छी कमाई की। समीक्षकों ने इसे लेकर मिलीजुली प्रतिक्रिया दी, लेकिन अपने पहले दिन के प्रदर्शन को बरकरार रख पाने में फिल्म कामयाब नहीं हुई। दूसरे दिन 53.70 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ इसका कलेक्शन आधे से भी कम हो गया। फिल्म को रिलीज हुए आज छह दिन हो गए। पहले दिन टॉप गियर में 'देवरा' की गाड़ी भागी और फिल्म ने 82.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर डाला। हालांकि, दूसरे दिन फिल्म की रफ्तार को जैसे इमरजेंसी ब्रेक लग गया हो। इसकी कमाई में 53.70 प्रतिशत की गिरावट आ गई और फिल्म केवल 38.2 करोड़ रुपये का कारोबार कर पाई।

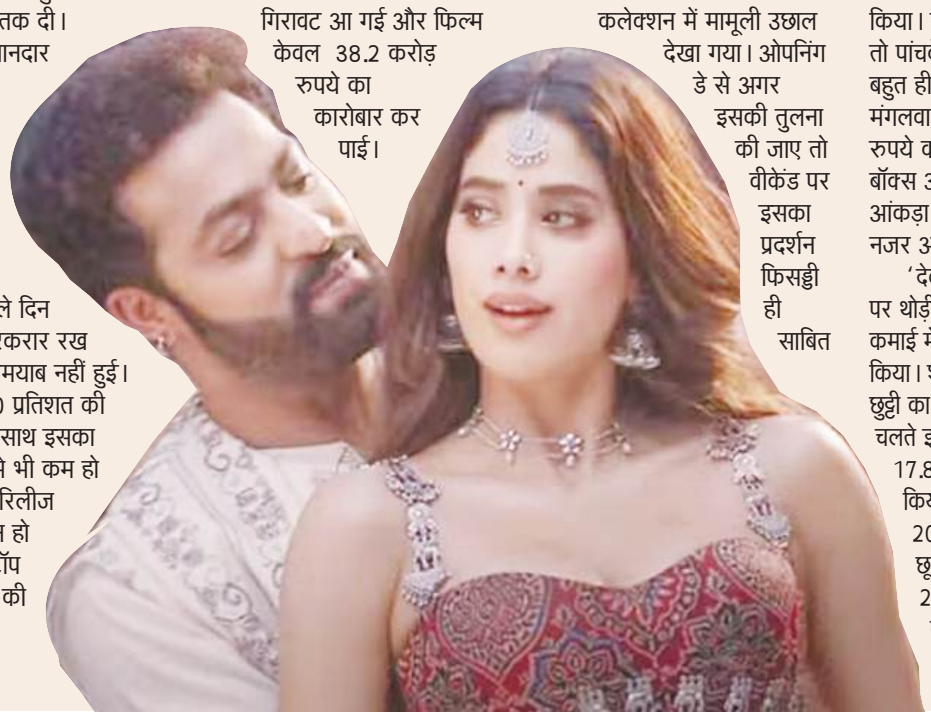

दर्शकों ने दूसरे दिन सिनेमाघरों की ओर जैसे रुख ही ना किया हो। वहीं, 'देवरा' वीकेंड का भी लाभ नहीं उठा पाई। रविवार को फिल्म के कलेक्शन में मामूली उछाल देखा गया। ओपनिंग डे से अगर इसकी तुलना की जाए तो वीकेंड पर इसका प्रदर्शन फिसड्डी ही साबित हुआ। चौथे दिन के कारोबार पर नजर डाले तो फिल्म ने 68.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ महज 12.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया। ताजा आंकड़ों को देखा जाए तो पांचवें दिन इसके कलेक्शन में बहुत ही मामूली सुधार आया। मंगलवार को फिल्म ने 14 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया और बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ का आंकड़ा छूने के लिए संघर्ष करती हुई नजर आई।

'देवरा' छठे दिन बॉक्स ऑफिस पर थोड़ी ऊंची छलांग लगाई और कमाई में मामूली से थोड़ा ज्यादा सुधार किया। शायद इसे गांधी जयंती की छुट्टी का थोड़ा फायदा मिला, जिसके चलते इसने बुधवार को अब तक 17.83 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसी के साथ फिल्म ने 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा भी छू लिया है। इसने अब तक 205.18 करोड़ रुपये का कुल कारोबार कर लिया है। फिल्म निर्माताओं के लिए यह थोड़ी राहत की बात हो सकती है।

मीटू आरोपी डायरेक्टर मेरा इस्तेमाल करके सुधारना चाहते थे अपनी छवि : तनुश्री

तनुश्री दत्ता हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में मी टू मूवमेंट का फेस थीं। उन्होंने यौन उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाकर इंडस्ट्री में एक क्रांति की शुरुआत की थी। एक्ट्रेस ने नाना पाटेकर पर यौन उत्पीड़न के संगीन आरोप लगाए थे जिसके चलते बॉलीवुड में जमकर हंगामा हुआ। तनुश्री दत्ता ने बताया कि कैसे एक मी टू आरोपी डायरेक्टर उनके जरिए अपनी छवि बदलना चाहते थे।

'आशिक बनाया' एक्ट्रेस तनुश्री दत्ता ने अपने इंटरव्यू में बताया कि उन्हें अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। वह कहती हैं, 'ये जरूरी है कि हर एक्टर किसी सही बात के लिए थोड़ा-बहुत खामियाजा उठाने के लिए तैयार रहे। दिसंबर 2018 में मुझे बड़े प्रोड्यूसर ने एक फिल्म ऑफर की थी, लेकिन उसका डायरेक्टर मी टू आरोपी था इसलिए मैंने तुरंत फिल्म ठुकरा दी थी'।

एक्ट्रेस आगे कहती हैं, 'इन सब चीजों में किसकी हार हो रही है? मेरी। मैंने काफी लंबे समय से कोई काम नहीं किया है। मुझको पिछले साल भी कोलकाता के एक डायरेक्टर ने फिल्म ऑफर की थी, लेकिन फिर इसी वजह से मैंने ठुकरा दी। मुझे लगा वो डायरेक्टर मेरा इस्तेमाल करके अपनी छवि सुधारना चाहते हैं'। तनुश्री दत्ता ने बताया, 'वो मेरे पास क्यों आए थे। उन्हें लगा मी टू को काफी समय हो गया है। अब वो अगर मुझे अपनी फिल्म में कास्ट करेंगे तो लोगों को लगेगा कि मैं उनकी साइड पर हूं। मैंने फिल्म ठुकरा दी। मैंने अपने डैड से भी सुझाव लिया था ताकि मैं चीजों को बेहतर तरीके से समझ सकूं'। एक्ट्रेस कहती हैं कि उन्होंने तब आवाज उठाई, जब उन्हें काम की सबसे ज्यादा जरूरत थी और वह उम्मीद करती हैं कि बाकी लोग भी सही का साथ दे सकें।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

हादसे के बाद गोविंदा ने डॉक्टरों का जताया आभार, फैंस को बोला- धन्यवाद

गोविंदा के साथ मंगलवार सुबह हादसा हो गया। वे सुबह कोलकाता के लिए रवाना हो रहे थे। इस दौरान वे अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर को केस में रख रहे थे कि अचानक रिवॉल्वर जमीन पर गिर गई और मिसफायर हुआ। इस दौरान अभिनेता के पैर में गोली लग गई। उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बुलट निकाल दी है और गोविंदा खतरे से बाहर हैं। हादसे के बाद खुद गोविंदा ने बयान जारी किया है और प्रशंसकों व डॉक्टरों का आभार जताया है। गोविंदा ने हादसे के बाद अस्पताल से बयान जारी कर कहा है, नमस्कार, प्रणाम, मैं हूं गोविंदा। आप सभी का आशीर्वाद और बाबा का आशीर्वाद। गोली लगी थी। लेकिन, गुरू की कृपा से गोली निकाल दी गई है। मैं धन्यवाद देता हूं यहां के डॉक्टरों का। आप सभी की प्रार्थनाओं के लिए आप सभी का धन्यवाद व आभार। सूत्रों के मुताबिक जिस वक्त गोविंदा के साथ यह हादसा हुआ उनकी पत्नी सुनीता घर पर मौजूद नहीं थीं। गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा के मुताबिक अभिनेता सुबह कोलकाता के लिए रवाना हो रहे थे। शशि सिन्हा उस वक्त एयरोपोर्ट पर थे। गोविंदा ने उनसे कहा, आप बोर्डिंग कराओ, हम भी पहुंच रहे हैं। गोविंदा जिस वक्त घर से निकल रहे थे अचानक रिवॉल्वर उनके हाथ से फिसल गई और मिसफायर हुआ। गोली उनके पैर में लग गई। गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा के मुताबिक, जमीन पर रिवॉल्वर गिरने से मिस फायर हुआ। गोविंदा अब खतरे से बाहर हैं। पुलिस ने गोविंदा की लाइसेंसी रिवॉल्वर को जब्त कर लिया है। अभिनेता के परिजन सहित अन्य लोगों के बयान इस मामले में दर्ज होंगे। फिलहाल किसी को गोविंदा से मिलने की इजाजत नहीं है। उनका उपचार आईसीयू में चल रहा है। हादसे के बाद मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम अस्पताल गई। माले की जांच जांच क्राइम ब्रांच करेगी।

एक बरगद, सैकड़ों यादें, क्या आप जानते हैं इटावा का वरटोला क्यों है खास?

क्या आपने कभी सोचा है कि एक पेड़ किस तरह से किसी स्थान की पहचान बन सकता है? उत्तर प्रदेश के इटावा के मोहल्ला वरटोला का बरगद का पेड़ सैकड़ों सालों से इस क्षेत्र की आत्मा बना हुआ है। ये केवल एक पेड़ नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक धरोहर है जो इतिहास की अनगिनत कहानियों को अपने में समेटे हुए है। जब आप वरटोला में कदम रखते हैं, तो आप न केवल एक मोहल्ले में, बल्कि एक ऐतिहासिक यात्रा पर निकलते हैं। आइए, हम आपको इस आर्टिकल में वरटोला की कहानी सुनाते हैं, जहां हर पत्ते में एक किस्सा छिपा है और हर छाया में एक याद बसी है।

मोहल्ला वरटोला का नाम एक विशाल और प्राचीन बरगद के पेड़ से लिया गया है, जो न केवल इस मोहल्ले की पहचान है, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए यह एक सांस्कृतिक प्रतीक भी है। ये पेड़ उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा है, जो सैकड़ों सालों से उनकी मान्यता और परंपराओं का गवाह बना हुआ है। स्थानीय लोगों का मानना है कि ये बरगद का पेड़ कम से कम 600 साल पुराना है। ये सिर्फ एक पेड़ नहीं है, बल्कि ये मोहल्ले के निवासियों के लिए एक बुजुर्ग की तरह है। इसकी उम्र और विशालता इसे इस क्षेत्र का एक ऐतिहासिक प्रतीक बनाती है, जो सदियों से समय की कसौटी पर खरा उतरा है। बरगद के पेड़ के नीचे का स्थान बच्चों के लिए हमेशा से एक खेल का मैदान रहा है। यहां, बचपन की सुनहरी यादें बसी हुई हैं, जहां बच्चे घंटों खेलते हैं, झूलते हैं और अपनी मासूमियत को जीते हैं। ये पेड़ उनकी बचपन की खुशियों का प्रतीक है और उनकी यादों का एक बड़ा हिस्सा बना हुआ है। इस बरगद के पेड़ के पास एक प्राचीन मंदिर भी स्थित है, जहां नियमित रूप से धार्मिक आयोजन और त्योहार मनाए जाते हैं। ये स्थान न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा से भरा है, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए ये एक पवित्र स्थल भी है, जहां वे आस्था के साथ आते हैं और अपने मन की बात करते हैं। वरटोला का मोहल्ला करीब एक हजार साल पुराना है और इसकी बसाहट प्राचीन सभ्यता के प्रतीक के रूप में देखी जाती है। मोहल्ले की पुरानी इमारतें, संकरी गलियां और ऐतिहासिक स्थल इस क्षेत्र की समृद्धि और गौरव का प्रतीक हैं। यहां की लोक संस्कृति, लोकगीत और परंपराएं इस क्षेत्र की पहचान को और भी मजबूत बनाती हैं, जिससे ये स्थान अद्वितीय और दिलचस्प बन जाता है।

अजब-गजब | लोगों को चौंकाते हैं इस पेड़ के आकार और इसकी उम्र

इस पेड़ से निकलता है खून जैसा राल

अगर आपको लगता है कि किसी पेड़ से लाल रंग का खून बह ही नहीं सकता, तो आपको इस पेड़ के बारे में जरूर जानना चाहिए। क्या आपने ड्रैगन ब्लड ट्री, जिसे वैज्ञानिक रूप से ड्रैकेना सिनाबारी के नाम से जाना जाता है, का नाम सुना। इसे यह नाम ही इसलिए मिला है क्योंकि इससे लाल रंग निकलता है। इससे ऐसा लगता है कि इससे खून बह रहा है। लेकिन यह अपने खास आकार, अपनी पुरानी उम्र, जैसी कई और बातों के लिए भी जाना जाता है।

ड्रैगन ब्लड ट्री एक आकर्षक और रहस्यमय पौधा है जो सोकोट्रा द्वीपसमूह के बेमिसाल इकोसिस्टम में पनपता है। इन पेड़ों की विशेषता इसकी छतरी के आकार का ऊपरी हिस्सा और मोटी, चिकना तना है जो हरी पत्तियों के घने समूह में फैलता है। पेड़ की आकर्षक मौजूदगी और इसके आसपास की लोककथाओं ने इसे वनस्पति विज्ञानियों, प्रकृति प्रेमियों और यात्रियों के लिए रोचक बना दिया है। सोकोत्रा द्वीपसमूह का मूल निवासी ड्रैगन ब्लड ट्री पेड़ से गहरे लाल रंग का राल निकलता है जिसे अक्सर ड्रैगन का खून कहा जाता है, जिसे सदियों से पारंपरिक चिकित्सा, रंगाई और अनुष्ठान समारोहों सहित इसके विभिन्न उपयोगों के लिए बेशकीमती माना जाता रहा है। राल का एक समृद्ध सांस्कृतिक महत्व है और यह पेड़ के स्थायी आकर्षण का प्रतीक है।

ड्रैगन ब्लड ट्री सोकोट्रा द्वीपसमूह का मूल निवासी है, जो हिंद महासागर में स्थित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है। इस पेड़ की सबसे खास विशेषताओं में से एक इसकी छतरी जैसा पत्तियों और शाखाएं हैं। जो सर्पिल रूप से व्यवस्थित समूह होते हैं। यह आकार इसे अन्य पेड़ों प्रजातियों से अलग करता है और इसके रहस्य को बढ़ाता है। ड्रैगन ब्लड ट्री सोकोट्रा निवासियों की लोककथाओं और परंपराओं में एक अहम स्थान रखता है, जिन्होंने इसके रहस्यमय गुणों और औषधीय लाभों के लिए इसका सम्मान किया है। यह पीढ़ियों से स्थानीय रीति-रिवाजों और मान्यताओं का एक अभिन्न अंग रहा है। सूखे हालातों में पनपने वाले, ड्रैगन ब्लड ट्री ने अपने कठोर वातावरण में जीवित रहने के लिए खुद को बेहतरीन तरीके से ढाला है। अपने तने में पानी जमा करने और कम से कम संसाधनों का उपयोग करने की इसकी काबिलियत कठोर जलवायु में इसके लचीलेपन को दिखाती है। अपने कठोर मिज़ाज के बावजूद, इस पेड़ की वृद्धि दर धीमी है, कुछ नमूनों को परिपक्व होने में दशकों लग जाते हैं। यह धीमी वृद्धि इसकी प्राचीन ज्ञान की भावना में योगदान देती है। पारंपरिक चिकित्सकों ने लंबे समय से ड्रैगन ब्लड पेड़ की राल का उपयोग इसके औषधीय गुणों के लिए किया है और इसे तमाम बीमारियों के उपचार के लिए इस्तेमाल किया है। यह पेड़ एक वनस्पति दुर्लभता है, जो विशेष रूप से अपने मूल निवास स्थान में पाई जाती है। इसका सीमित वितरण इसके आकर्षण को बढ़ाता है और इसके पर्यावरण की सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करता है।

पीडीए की रणनीति को और मजबूत करने में जुटी सपा

» बसपा के वोट बैंक पर समाजवादी पार्टी गड़ाए है नजर

» बूथ स्तर पर दलित वोटों को लुभाने का काम कर रही पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में पीडीए फॉर्मूले की बड़ी सफलता के बाद समाजवादी पार्टी लगातार इसे और मजबूत करने में जुटी है। समाजवादी पार्टी की नजर बहुजन समाज पार्टी के वोटबैंक पर हैं। इसके लिए सपा ने बड़े स्तर पर रणनीति तैयार की है। यही नहीं सपा ने अपने नेताओं को खास जिम्मेदारी दी है ताकि वो दलितों के बीच जाकर उन्हें सपा की रीति और नीति की जानकारी दें।

पीडीए को मजबूत करने के लिए पार्टी के नेता दलित वोटरों के साथ संपर्क कर रहे हैं। जिन सीटों पर उपचुनाव होना है उन सीटों पर इस रणनीति के तहत और तेजी से काम किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, सपा नेता बूथ स्तर पर दलित मतदाताओं के साथ मेल जोश बढ़ा रहा है। अखिलेश ने सपा नेताओं को इस बात के खास निर्देश दिए हैं कि वो मायावती के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने से परहेज करें और कोई ऐसा बयान न दे जिससे उनके समर्थकों में नाराजगी आए। सपा अध्यक्ष खुद भी अक्सर मायावती को लेकर संभलकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यही नहीं कई मुद्दों पर वो उनके साथ भी खड़े दिखाई देते हैं।

लद्दाख के मुद्दे को गंभीरता से ले सरकार: अखिलेश

सपा प्रमुख ने सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक का समर्थन करते हुए कहा है कि लद्दाख को बचाने की कोशिश अपनी सीमावर्ती जमीन को बचाना भी है। अगर चारागाह पर धीरे-धीरे दूसरों का कब्जा होता जाएगा तो लद्दाख के पश्मीना बकरियों व भेड़-बकरियों व उनसे जुड़े उत्पादों के लिए घोर संकट पैदा हो जाएगा। इसका सीधा संबंध लद्दाख के समाज के जीवनयापन से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि लद्दाख के मुद्दे को बड़े परिप्रेक्ष्य से देखने की जरूरत है। लद्दाख के मुद्दे को सर्वोच्च प्राथमिकता मानना चाहिए। सरकार को बार-बार लद्दाख की परेशानियों और चुनौतियों की याद दिलानी पड़ती है। उन्होंने कटाक्ष किया कि पानी और नमक के सहारे अनशन करने वालों का महत्व भाजपा क्या समझेगी, जो नमक का कर्ज तक चुकाना नहीं जानती। अखिलेश ने कहा कि देश की जनता सोनम वांगचुक के लद्दाख, देश की सीमाओं व पर्यावरण की रक्षा के लिए किये जा रहे संघर्ष में हर तरह से उनके साथ है।

जातीय समीकरण को देखकर तैयार कर रही रणनीति

सपा की रणनीति के तहत जिस सीट पर जिस जाति के लोगों की संख्या ज्यादा है वहां पर उसी जाति के पदाधिकारी और प्रतिनिधियों को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। ये लोग ऐसे इलाकों में जाकर लोगों के साथ बातचीत कर रहे हैं, उन्हें सपा की नीतियों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। सपा इस रणनीति पर चुपचाप काम कर रही है। सपा नेतृत्व ने स्थानीय इकाइयों को निर्देश दिए हैं कि जिन बूथों पर पिछले दो चुनाव में कम वोट पड़े हैं, वहां के जातीय समीकरण को देखते हुए रणनीति बनाई जाए। इन जगहों पर उन सीटों के जातीय समीकरण को देखते हुए ही पदाधिकारियों को तैनात किया जाए।

मेरे ओलंपिक में जाने में सबसे बड़ा हाथ प्रियंका गांधी का: विनेश

» फोगाट ने कांग्रेस महासचिव को बताया दुर्गा और शक्ति का रूप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जुलाना। हरियाणा में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार चरम पर है। कांग्रेस की टिकट पर जुलाना से चुनाव लड़ने जा रही पहलवान विनेश फोगाट ने हुंकार भरी। फोगाटा ने प्रियंका गांधी की तारीफ करते हुए उन्हें दुर्गा और शक्ति का रूप बताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जब आपकी बेटी विधानसभा में जाएगी तो वो आपके हकों की आवाज बनेगी। जुलाना विधानसभा एक नया इतिहास रचने जा रहा है।

फोगाट ने कहा कि जब आपकी बेटी जंतर-मंतर पर बैठी थी, तब प्रियंका जी बड़ी बहन के नाते हमसे मिलने आई थीं। उन्होंने जो हिम्मत और हौसला देने का काम किया था। उस वक्त दर्द जो हमने दीदी को बताया तो उनका हाथ मेरे सर पर टिका था। आज भी उस हाथ की ताकत अपने सिर पर महसूस कर सकती हूं। ओलंपिक में मैं गई, उसमें सबसे बड़ा हाथ प्रियंका जी का है। विनेश ने कहा कि बचपन से लेकर आजतक मैंने जो संघर्ष किया है, उसमें पूरा देश मेरे साथ खड़ा रहा है। जो ऊर्जा आप लोगों ने दिखाई है। इतने कम समय में आपने ने जो मुझे अपना बनाने का काम किया है, मैं विश्वास दिलाकर आपको कहती हूं कि जिस तरह आप मेरे साथ खड़े रहे, वैसे ही मैं आपके सुख-दुख और हक की लड़ाई में दो कदम आगे खड़ी रहूंगी। कांग्रेस उम्मीदवार ने कहा कि जब भी क्षेत्र में निकलती हूं लोगों का प्यार, मेरा कारवां बढ़ता गया है। मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि आपकी बेटी ना किसी के सामने झुकी थी और ना ही किसी के सामने झुकेगी।

दुनिया की कोई ताकत मुझे पीएम से अलग नहीं कर सकती: चिराग

» मंत्री पद को लात मारने वाले अपने बयान पर दी सफाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। एनडीए में नाराजगी की खबरों के बीच केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि वो व्यक्ति जिनको मेरा और मेरे प्रधानमंत्री का रिश्ता खटकता है, उनको मैं ये स्पष्ट संदेश देना चाहता हूं कि दुनिया की कोई ताकत मुझे मेरे प्रधानमंत्री से अलग नहीं कर सकती। जो लोग मुंगेरीलाल के सपने देखने का प्रयास कर रहे हैं कि मुझे मेरे प्रधानमंत्री से अलग कर देंगे, बीच में दरारें आ जाएंगी।

मैं गठबंधन से अलग हो जाऊंगा, गठबंधन टूट जाएगा, लेकिन एक बार और हमेशा के लिए इसे बहुत स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि ये नहीं होने वाला है।

प्रधानमंत्री के सपने को बढ़ाऊंगा आगे

चिराग पासवान ने कहा कि मैं मेरे प्रधानमंत्री जी की सोच को जिसमें मेरे नेता मेरे पिता रामविलास पासवान जी का संकल्प भी सम्मिलित है उसको आगे बढ़ाऊंगा। हर संभव मजबूती से कैसे मेरे प्रधानमंत्री जी की ताकत और बढ़े उसके लिए मैं मेरी पार्टी का हर कार्यकर्ता पूरा समर्पण भाव से आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। जो लोग ये सोच रहे हैं कि ऐसा कुछ होगा उनके लिए सपना है।

एलपीएस में कर्मचारियों को किया गया सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गांधी-शास्त्री जयंती के अवसर पर, लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एंड कॉलेजेज के सेक्टर - 9, वृन्दावन योजना शाखा में संस्था के सभी शाखाओं के 116 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सत्र 2023-24 के लिए पूर्ण उपस्थिति और सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ता की श्रेणी में सम्मानित किया गया। इस मौके पर संस्थापक एवं चेयरमैन- सांसद डॉ. एसपी सिंह, पूर्व एमएलसी कांति सिंह, एमडी सुशील कुमार, महाप्रबंधक हर्षित सिंह एवं डिप्टी डायरेक्टर मीना टांगड़ी व सभी प्रिंसिपल्स उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डॉ.एस.पी. सिंह ने गांधी दर्शन एवं लाल बहादुर शास्त्री की कर्तव्य निष्ठा एवं ईमानदारी की चर्चा की। इस दौरान कर्मचारियों ने भारत के सभी राज्यों के लोक नृत्य के माध्यम से नैतिक मूल्य और आध्यात्मिकता से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

स्वच्छता पखवारे का सदर विधायक ने किया समापन

» उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाईकर्मियों को किया सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। गांधी जयंती के उपलक्ष में पहुंचे सदर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने पहले विकासखंड परिसर में ध्वजारोहण कर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लाल बहादुर शास्त्री का स्मरण करते हुए चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही खंड विकास अधिकारी अरविंद कुमार सिंह व एडीओ पंचायत ईशनारायण यादव के साथ परिसर में झाड़ू चलाकर स्वच्छता मिशन में भाग लिया।

इस दौरान पांच सफाई कर्मियों को किट प्रदान किया और उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 महिला-पुरूष कर्मियों को माला पहनाकर, प्रशस्तिपत्र व अंग वस्त्र प्रदान करते हुए सम्मानित किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि आजाद भारत में सफाई के क्षेत्र में सबसे पहले गांधी जी ने सकारात्मक कदम उठाए, उनके बाद वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री अब गांधी जी के सपने को साकार करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि समाज में सफाईकर्मियों का बड़ा ही व्यापक योगदान है। कोरोना काल का स्मरण करते उन्होंने कहा जब लोग घरों में थे तब आप सभी ने गली-गली घूमकर समाज एवं जीवन को बचाने में जो योगदान दिया, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

टेस्ट के नंबर वन गेंदबाज बने जसप्रीत बुमराह

» अश्विन को पीछे छोड़ हासिल किया रैंकिंग में पहला पायदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ताजा आईसीसी रैंकिंग में टेस्ट के नंबर वन गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने अपने साथी खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़ते हुए रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। दिग्गज गेंदबाज ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ खेली गई दो मैचों की टेस्ट सीरीज में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर आईसीसी की ताजा टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया।

भारत और बांग्लादेश के बीच खेली गई दो मैचों की टेस्ट सीरीज में तेज गेंदबाज ने 11 विकेट चटकाए थे। अब उन्हें इसका फायदा मिला है। एक स्थान की छलांग लगाकर वह शीर्ष पर पहुंच गए। अब उनके 870 प्वॉइंट्स हो गए हैं। वहीं, अश्विन दूसरे पायदान पर खिसक गए। उनके खाते में 869 अंक हैं। यह दूसरा मौका है जब बुमराह टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे हैं। इससे पहले इसी साल फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद तेज गेंदबाज ने पहला स्थान हासिल किया था। तब उन्हें तीन स्थानों का फायदा हुआ था। वह शीर्ष टेस्ट गेंदबाज बनने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बन गए थे। उनसे पहले पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव टेस्ट गेंदबाजों में सर्वोच्च रैंकिंग हासिल करने वाले इकलौते भारतीय गेंदबाज थे। कानपुर टेस्ट में बुमराह ने कुल सात विकेट हासिल किए, जबकि अश्विन को पांच सफलता मिलीं। वहीं, बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज चार स्थान के फायदे के साथ 18वें पर पहुंच गए जबकि अनुभवी स्पिनर शाकिब अल हसन 28वें पायदान पर पहुंच गए हैं। उन्हें पांच स्थानों का फायदा हुआ है।

तीसरे पायदान पर पहुंचे यशस्वी जायसवाल

बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल दो स्थानों के फायदे के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। अब उनके 792 अंक हो गए। चार पारियों में उन्होंने 47.25 के औसत से 189 रन बनाए। इस दौरान 22 वर्षीय बल्लेबाज ने तीन अर्धशतक लगाए। वहीं चेन्नई टेस्ट में छह और 17 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटने के बाद कोहली टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष 10 से बाहर हो गए थे। हालांकि, कानपुर टेस्ट में वापसी करते हुए उन्होंने 47 और 29* रनों की पारी खेलकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसी के साथ वह छह स्थानों के फायदे के साथ छठे पायदान पर पहुंच गए हैं। अब उनके 724 अंक मिल गए हैं। वहीं, पंत को तीन स्थानों का नुकसान हुआ है। वह नौवें पायदान पर पहुंच गए।

फोटो: सुमित कुमार

नवरात्र आज से

शारदीय नवरात्रि का आज पहला दिन है। घरों-मंदिरों में कलश स्थापना के साथ मां अपने दरबार में विराजमान हो गईं। अगले नौ दिनों तक मां के विभिन्न स्वरूपों का विधि-विधान से पूजन किया जायेगा। कल यानि बुधवार को मां के स्वागत में शहर के सभी देवी मंदिरों में भव्य सजावट की गई। देर रात तक बाजारों में रौनक रही। पूजन सामग्री, मूर्तियों व फलों की दुकानों पर खूब भीड़ रही। आज पहले दिन चौक की बड़ी काली जी मंदिर में भक्तगण वा महंत द्वारा महाआरती का आयोजन किया गया।

देश को तोड़ना चाहते हैं देवेंद्र फडणवीस : राउत

बीजेपी नेता के वोट जिहाद वाले बयान पर भड़के शिवसेना (यूबीटी) सांसद

» बोले- मुसलमान, जैन, हिंदू, पारसी सब इस देश के नागरिक, सभी करते हैं वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश का सियासी तापमान बढ़ा हुआ है, क्योंकि राजनीतिक दलों और उनके नेताओं द्वारा एक-दूसरे पर सियासी हमले आए दिन तेज होते जा रहे हैं। इस बीच महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस के वोट जिहाद वाले बयान पर राज्य में सियासी हंगामा खड़ा हो गया है। उनके इसी बयान पर अब शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने फडणवीस पर निशाना साधा है। फडणवीस पर हमलावर होते हुए राउत ने कहा कि वो देश को तोड़ना चाहते हैं।

संजय राउत ने कहा कि क्या होता है वोट जिहाद? इस देश का नागरिक मुसलमान, जैन, हिंदू, पारसी सब हैं, सभी वोट करते हैं। अगर वे आपको (बीजेपी) वोट करते हैं तो चलता है? वोट जिहाद की बात हैं तो बीजेपी मुसलमान महिलाओं के लिए तीन तलाक का कानून क्यों लाई? आपको और समाज के लोग वोट देते हैं तो आप क्या कहेंगे।

क्या गुजरातियों के वोट को जिहाद कहेगी भाजपा

शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने आगे कहा कि महाराष्ट्र में गुजरात के लोग आपको वोट देते हैं तो आप क्या कहेंगे? तो आप क्या कहेंगे। गुजरातियों का वोट जिहाद कहेंगे? फडणवीस जैसे लोग देश को तोड़ना चाहते हैं। ये गांधी जी का देश है। इस तरह का बयान दे रहे हैं। ये सब उनके दिमाग का कचरा है।

देवेंद्र फडणवीस ने किया था वोट जिहाद का जिक्र

दरअसल, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में वोट जिहाद का जिक्र किया है। उन्होंने लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में लगे झटके का जिक्र करते हुए कहा था कि कुछ (मुस्लिम समाज) लोगों को लगता है कि हमारी संख्या भले ही कम हो, लेकिन हम संगठित मतदान करके हिंदुत्व वादियों को पराजित कर सकते हैं। फडणवीस इन दिनों महायुति में सीट बंटवारे को लेकर लगातार बैठकें कर रहे हैं। यहां महायुति का मुकाबला महाविकास अघाड़ी से है।

बिहार के पूर्व मंत्री की हत्या मामले में पूर्व विधायक समेत दो को आजीवन कारावास

» शीर्ष अदालत ने 1998 के मामले में सुनाई सजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की 1998 में हुई हत्या के मामले में सजा का एलान कर दिया है। कोर्ट ने पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला समेत दो लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जस्टिस संजीव खन्ना, संजय कुमार और आर महादेवन की पीठ ने सभी आरोपियों को बरी करने के पटना हाईकोर्ट के फैसले को आंशिक रूप से खारिज कर दिया।

कोर्ट ने दोषियों मंटू तिवारी और पूर्व विधायक शुक्ला को 15 दिनों के भीतर आत्मसमर्पण करने को कहा। हालांकि, शीर्ष कोर्ट ने पूर्व सांसद सूरजभान सिंह समेत छह अन्य आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार उन्हें बरी करने के फैसले को बरकरार रखा। पीठ ने कहा कि मंटू और विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला के खिलाफ आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 307 (हत्या का प्रयास) के तहत आरोप साबित होते। उन्हें 15 दिनों के अंदर आत्मसमर्पण करना होगा।

2014 में हाईकोर्ट ने की थी सुनवाई

इससे पहले 24 जुलाई 2014 को हाईकोर्ट ने कहा था कि अभियोजन पक्ष के सबूतों और गवाहों को मद्देनजर रखते हुए सूरजभान सिंह उर्फ सूरज सिंह, मुकेश सिंह, लल्लन सिंह, मंटू तिवारी, कैप्टन सुनील सिंह, राम निरंजन चौधरी, शशि कुमार राय, मुन्ना शुक्ला और राजन तिवारी संदेह का लाभ पाने के हकदार हैं। कोर्ट ने निचली अदालत के 12 अगस्त 2009 के उस आदेश को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्हें दोषी ठहराया गया था और सभी आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

आरोपियों को बरी करने के फैसले को दी थी चुनौती

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्व सांसद और बृज बिहार प्रसाद की पत्नी रमा देवी, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने साक्ष्य के अभाव में आरोपियों को बरी करने के फैसले को चुनौती दी थी। उन्होंने कोर्ट के 2014 के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

ईडी के निशाने पर आए पूर्व क्रिकेटर अजहरुद्दीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार 3 अक्टूबर को पूर्व किटर और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन को तलब किया है। सूत्रों के मुताबिक, पूर्व भारतीय कप्तान पर 20 करोड़ की हेराफेरी करने का आरोप है। बता दें कि यह मामला उस समय का है, जब वह हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष थे। इस मामले में वह आज ईडी के सामने पेश होंगे।

मिली जानकारी के अनुसार, अजहरुद्दीन सितंबर 2019 में एचसीए अध्यक्ष चुने गए थे। जून 2021 में उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ा था। उन्हें एपेक्स काउंसिल ने फंड की हेराफेरी के आरोप में एक्शन लिया था। ऐसे में यह मामला हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम के लिए डीजल जनरेटर, अग्निशमन प्रणाली और छतरियों की खरीद के लिए आवंटित 20 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी से जुड़ा हुआ है।

एचडी कुमारस्वामी पर 50 करोड़ रुपये रिश्वत मांगने का आरोप

» जेडीएस के सोशल मीडिया उपाध्यक्ष ने लगाए आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक में एनडीए के दो नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उनमें से एक नाम पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीएस नेता कुमारस्वामी और दूसरा नाम एमएलसी रमेश गौड़ा का है। दरअसल, जेडीएस के सोशल मीडिया उपाध्यक्ष विजय टाटा ने दोनों नेताओं पर 50 करोड़ रिपये की रिश्वत मांगने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। उन्होंने कुमारस्वामी और रमेश गौड़ा के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई। टाटा ने अपने लिए सुरक्षा की भी मांग की।

विजय टाटा ने दावा किया कि जेडीएस नेता रमेश गौड़ा उनके घर आए और उन्होंने कुमारस्वामी का नंबर डायल किया। मंत्री से बात होने के बाद उन्होंने विजय टाटा से चन्नापटना उपचुनाव के लिए 50 करोड़ रुपये की मांग की। इसके साथ ही उन्हें चेतावनी भी दी गई कि अगर पैसों का इंतजाम नहीं हुआ तो विजय के लिए बेंगलूरू में रहना और रियल एस्टेट का बिजनेस चलाना भी मुश्किल हो जाएगा।

हालांकि, जेडीएस ने कुमारस्वामी पर लगे आरोपों को खारिज कर दिया। उन्होंने बताया कि आरोप लगाने वाले विजय टाटा का पार्टी से कोई संबंध नहीं है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वे कुमारस्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया में हैं। बता दें कि वर्तमान समय में कुमारस्वामी जेडीएस एनडीए का हिस्सा हैं। उनके पास उद्योग और इस्पात मंत्रालय की जिम्मेदारी हैं। वे 2006 से 2007 और 2018 से 2019 के बीच दो बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।